# Gerbner's General model of communication

## जॉर्ज गर्बनर का सामान्य संचार प्रतिरूप

**Dr. Archana Bharti**
**Guest Faculty, MJMC**
**Sem-1, Paper- 101**
**Date- 01/07/2021**

# Gerbner's General model

- जॉर्ज गर्बनर एक अमेरिकन संचारशास्त्री थे। इन्होंने वर्ष 1956 में अपने प्रतिरूप अथवा मॉडल को प्रस्तुत किया। इनका उद्देश्य ऐसा मॉडल तैयार करना था जो व्यापक क्षेत्रों पर लागू हो सके।
- गर्बनर ने लासवेल के शाब्दिक मॉडल के आधार पर एक विकसित मॉडल लाने का प्रयास किया।
- गर्बनर के प्रतिरूप की प्रमुख बात यह है कि इसमें सचार की स्थितियों पर निर्भर करने वाले विभिन्न स्वरूपों का वर्णन किया गया है। अर्थात किस स्थिति में किस तरह का संचार होगा। इसके विभिन्न हिस्सों को अलग–अलग रूपों में जोड़ा जा सकता है।

# Gerbner's General model

- गर्बनर के प्रतिरूप के द्वारा संचार के सरल अथवा जटिल हर तरह की प्रक्रिया को समझा जा सकता है। इनके प्रारूप में संदेश की रचना किस तरह से होती है और सम्प्रेषित करने वाली घटना का किस प्रकार से अवबोधन (Perception) होता है।
- यह मॉडल संदेश की रचना प्रक्रिया और संदेश की अवबोधन के बीच के संबंध को स्पष्ट करता है।
- जॉर्ज गर्बनर ने अपने प्रतिरूप को शाब्दिक और रेखीय दोनों रूपों में प्रस्तुत किया है।

# Verbal Model of Gerbner

## गर्बनर का शाब्दिक प्रतिरूप

- जॉर्ज गर्बनर का शाब्दिक मॉडल 'लासवेल' फॉर्मूले के अनुरूप है। गर्बनर द्वारा प्रस्तुत प्रतिरूप में प्रत्यक्ष और परोक्ष (Direct & Indirect) रूप से 'अरस्तू' द्वारा प्रस्तुत संचार मॉडल से समरूपता है। लेकिन समरूपता के बावजूद भी यह अरस्तू के मॉडल से काफी भिन्न है।
- गर्बनर के शाब्दिक प्रतिरूप को निम्नलिखित रूपों में स्पष्ट किया गया है जो आगे के स्लाइड में वर्णित है।

# Verbal Model of Gerbner

1ण कुछ या कोई (Some one)

2ण किसी घटना का अवबोधन करके (Perceives an event)

3ण प्रतिक्रिया करता है (And reacts)

4ण एक स्थिति में (In a situation)

5ण किसी माध्यम या साधन द्वारा (Through some means)

6ण ताकि उपलब्ध सामग्री को बना सके (To make available materials)

7ण किसी रूप में (In some form)

8ण किसी परिप्रेक्ष्य में (And context)

9ण भेजने योग्य संदेश (Conveying content)

10ण किसी निष्कर्ष के साथ (With some consequence)

# Graphic Model of Gerbner

- जार्ज गर्बनर के शाब्दिक मॉडल में जितने चरण और तत्वों की व्याख्या की गई वह सभी ग्राफिक मॉडल में शामिल नहीं है।
- ग्राफिक मॉडल में यह बताया गया है कि किसी घटना का कोई व्यक्ति किस तरह अवबोधन करता है और फिर इसे किस तरह एक संदेश के रूप में परिवर्तित कर भेजता है। यह प्रक्रिया पुनः आगे बढ़ती है क्योंकि जब उसके द्वारा भेजा गया संदेश किसी दूसरे तक पहुंचता है तो वह भी अपने तरीके से उसका अवबोधन करता है और उस संदेश को वह फिर दूसरे तक पहुंचाता है।
- इस प्रक्रिया में चयन के तरीके, परिप्रेक्ष्य और उपलब्ध साधनों का महत्वपूर्ण असर होता है।

# Gerbner Model of 1956

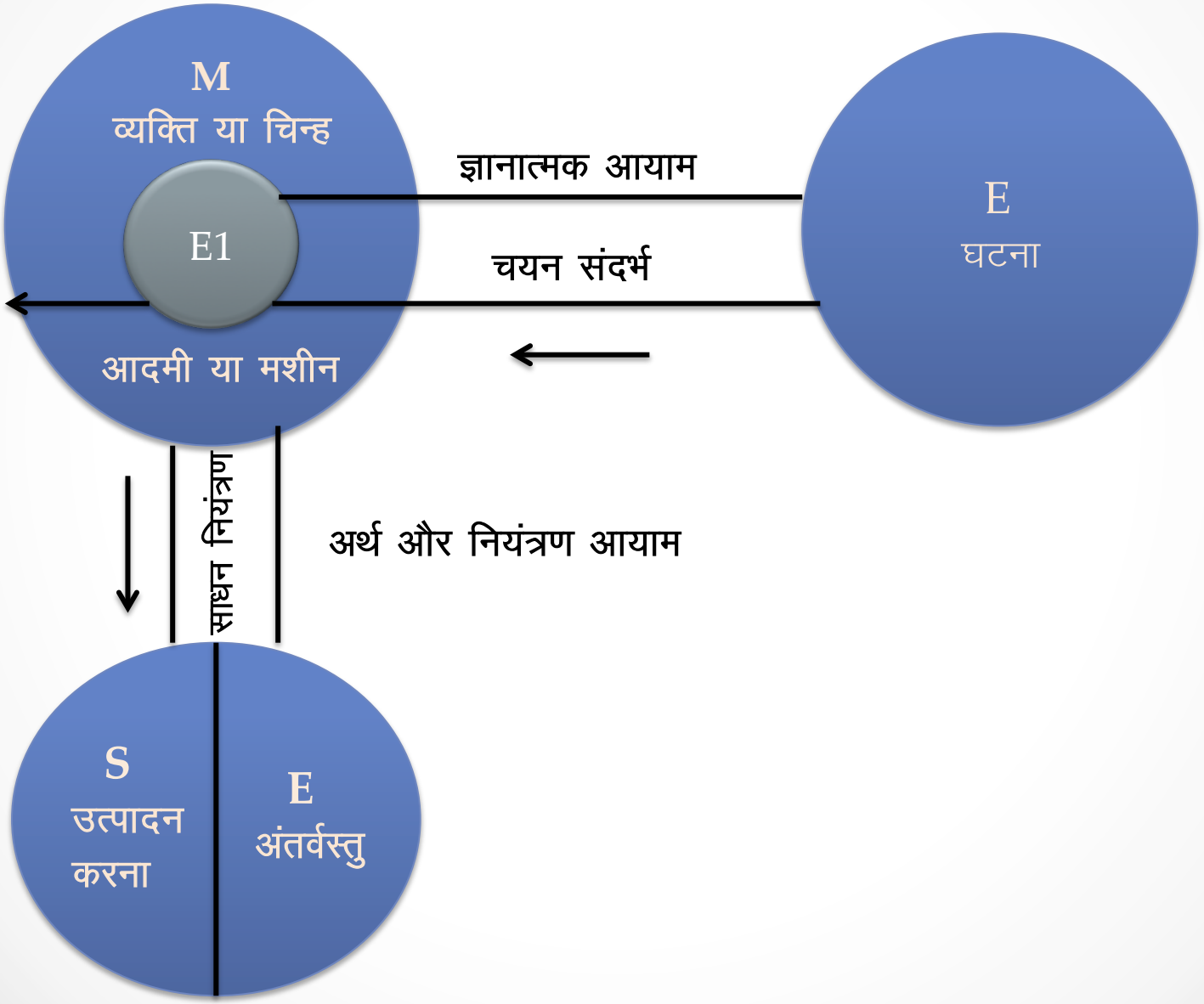

# Gerbner Model of 1956

- दिए गए रेखाचित्र में गर्बनर के प्रतिरूप के केन्द्र में M है जो व्यक्ति अथवा आदमी का प्रतीक है। वह किसी E अर्थात घटना को देखता है, परन्तु अपनी चयन प्रक्रिया, परिप्रेक्ष्य और उपलब्ध साधनों के कारण E को वस्तुतः E1 के रूप में देखता है, यानी वह जो अवबोधन करता है वह E नहीं बल्कि E1 है जबकि वास्वविक चीज E है। इस तरह E, M तथा E1 के बीच अवबोधन का सम्बंध है।

# Gerbner Model of 1956

- अब M उस घटना के सम्बंध में दूसरों को बताना चाहता है इसके लिए वह संदेश की रचना S,E के रूप में करता है। यहां S का तात्पर्य Shape या Form से है जबकि E का अर्थ अंतर्वस्तु से है। इस प्रकार संदेश अर्थात S E को भेजने के लिए M तीन चीजों पर निर्भर है–

  1. साधन (Channel)
  2. माध्यम (Media)
  3. अंतर्वस्तु (Content)

  अर्थात मीडिया पर स्वयं M का नियंत्रण है।